दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, शनिवार, 21 मई 2022 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-04, अंक- 232

महत्वपूर्ण एवं खास

आर्थिक रूप से गरीब बच्चों के पढ़ाई के लिए मदद करेगी शुभी फाउंडेशन

नई दिल्ली (आरएनएस)। राजधानी दिल्ली में कॉर्पोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी के तहत शुभी फाउंडेशन ने शिव ग्रुप ऑफ़ इंडस्ट्रीज के सहयोग से डी. ए. वी. स्कूल नरेला में आर्थिक रूप से गरीब 350 से ज्यादा छात्र व छात्राओ को मुफ्त पुस्तक व् स्कूल यूनिफार्म वितरण किया। कोरोनावायरस महामारी की वजह से पूरे देश में स्थिति इस तरह से नाजुक हो गई थी की किसी के घर का घर चलाने वाला ही इस बीमारी की वजह से नहीं रहा। ऐसे में बहुत सारे परिवार इस स्थिति में आ गए कि अपने बच्चों को सही एजुकेशन देने में असमर्थ पाए गए। शुभी फाउंडेशन और सिर्फ ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज की तरफ से इस तरह के कार्यक्रम और भी लोगों को उत्साहित करेगी की कोरोनावायरस में जिन परिवार के कमाने वाले सदस्यों की वजह से बच्चों की पढ़ाई नहीं हो पा रही है। वह लोग आगे बढक़र इसी तरह मदद करने को तैयार हो। इस उपलक्ष में छात्रों के माता - पिता भी उपस्थित रहे। कोविड महामारी के शिकार हुए अत्यन गरीब मेधावी छात्रों की स्कूल फ़ीस की भी जिम्मेदारी शुभी फाउंडेशन ने उठाई और इसके तहत 3 माह का स्कूल फ़ीस भी छात्रों को दिया गया। इस उपलक्ष में डी. ए. वी. स्कूल के प्रिंसिपल विमलेश झा , नीलू , ऋतू,, अनुराधा , शिवा ग्रुप से हरीश गोसाईं, दीपक व्यास और शुभी फाउंडेशन से दीपक कुमार व् सरिता गिरी आदि गणमान्य उपस्थित रहे।

अश्विनी वैष्णव ने किया भारत का पहला 5जी कॉल, पूरी तरह से है मेड इन इंडिया नेटवर्क

नई दिल्ली (आरएनएस)। संचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज आईआईटी मद्रास में भारत के पहले 5जी ऑडियो और वीडियो कॉल का सफलतापूर्वक परीक्षण किया। पूरे नेटवर्क को भारत में डिजाइन और विकसित किया गया है। मंत्री ने खुद यह जानकारी दी है। वैष्णव ने ट्विटर पर कहा, आईआईटी मद्रास में 5जी कॉल का सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया। संपूर्ण एंड टू एंड नेटवर्क भारत में डिजाइन और विकसित किया गया है। वैष्णव ने कहा, यह माननीय प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण की प्राप्ति है। उनकी दृष्टि भारत में विकसित, भारत में निर्मित और दुनिया के लिए बनाई गई हमारी अपनी 4जी, 5जी प्रौद्योगिकी स्टैक है। हमें इस संपूर्ण प्रौद्योगिकी स्टैक के साथ दुनिया को जीतना है। दूरसंचार विभाग अगले सप्ताह 5जी स्पेक्ट्रम नीलामी प्रस्ताव को अंतिम मंजूरी के लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल के पास ले जाने की संभावना है। ट्राई के अध्यक्ष पीडी वाघेला ने कहा कि डिजिटल तकनीक शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, कृषि, ऊर्जा और अन्य क्षेत्रों में सेवा वितरण को बदल रही है। इस संदर्भ में उन्होंने नीतियों और विनियमों को तैयार करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों के बीच एक सक्षम और सहयोगात्मक दृष्टिकोण का आह्वान किया। इस महीने की शुरुआत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आईआईटी मद्रास में देश के पहले 5जी परीक्षण का उद्घाटन किया था ताकि स्टार्टअप और उद्योग के खिलाड़ी स्थानीय रूप से अपने उत्पादों का परीक्षण और सत्यापन कर सकें और विदेशी सुविधाओं पर निर्भरता कम कर सकें।

आजमगढ़ में ऑटो रिक्शा व पिकअप में भिड़ंत, तीन की मौत, 9 घायल

फूलपुर (आरएनएस)। लखनऊ-बलिया राजमार्ग पर फूलपुर कोतवाली अंतर्गत ऊदपुर ग्राम स्थित पेट्रोल पंप के समीप शुक्रवार की दोपहर तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने सामने से आ रहे आटोरिक्शा में जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण हादसे में आटो सवार तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि नौ लोग जख्मी हो गए। दुर्घटना के लिए जिम्मेदार पिकअप चालक वाहन सहित मौके से भागने में कामयाब रहा। पुलिस ने तीनों शव कब्जे में ले लिया है। वही घायलों को ईलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। आटो सवार मृतक व घायल सभी वैवाहिक कार्यक्रम से वापस लौट रहे थे। जानकारी के अनुसार सरायमीर थाना क्षेत्र के मोहिउद्दीनपुर निवासी श्यामबहादुर की बहन का घर पवई थाना क्षेत्र के मैगना डेहरी गांव में स्थित है। बहन के पुत्री की शादी में शामिल होने के लिए श्यामबहादुर के परिजन व रिश्तेदार पवई क्षेत्र के मैगना डेहरी गांव गए थे। वैवाहिक कार्यक्रम संपन्न होने के बाद शुक्रवार को सभी आटोरिक्शा में सवार होकर वापस घर लौट रहे थे।दोपहर करीब एक बजे सवारियों से भरा आटो फूलपुर क्षेत्र के ऊदपुर गांव स्थित पेट्रोल पम्प के समीप पहुंचा, कि तभी शाहगंज की ओर जा रही तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने सामने से आ रहे आटोरिक्शा में जोरदार टक्कर मार दी। भीषण हादसे में आटो सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी, जबकि 9 लोग घायल हो गए।

मंकी पॉक्स ने मचाया हड़कंप, अमेरिका में मिले 6 संदिग्ध केस

0 स्पेन में 14 पीड़ित

वॉशिंगटन । दुनिया भर में कोरोना वायरस की लहर धीमी पडऩे से थोड़ी राहत महसूस की जा रही है, लेकिन इस बीच मंकी पॉक्स ने चिंताएं बढ़ा दी है। इस संक्रामक रोग के 6 मरीज अमेरिका में भी मिलने की बात सामने आई है। अमेरिका के सेंटर फॉर डिसीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन का कहना है कि उसकी और से 6 लोगों की निगरानी की जा रही है। इन्हें मंकी पॉक्स का संक्रमण होने की आशंका जताई जा रही है। इन लोगों ने मंकी पॉक्स से पीडि़त एक व्यक्ति के साथ फ्लाइट में सफर किया था। इसी महीने की शुरुआत में ये लोग नाइजीरिया से ब्रिटेन गए थे। उस दौरान संक्रमित व्यक्ति इनके पास ही बैठा था। यह बीमारी मनुष्यों में मिलना दुर्लभ ही होता है, लेकिन बीते कुछ वक्त में कई देशों में केस मिलने से हडक़ंप मच गया है। इस साल अमेरिका में इसका पहला केस मैसाचुसेट्स के एक व्यक्ति में मिला था, जो कनाडा की यात्रा करके लौटा था। यह वायरस आम तौर पर युवा पुरुषों की शिकार बनाता है। यह चूहों और बंदरों में ज्यादातर पाया जाता है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि उनके जरिए ही यह बीमारी मनुष्यों में ट्रांसफर हुई है। अमेरिका के अलावा कनाडा में भी इस वायरस के दो केस मिल चुके हैं। इसके अलावा 17 संदिग्ध लोगों की जांच की जा रही है। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया में भी मंकी पॉक्स का एक केस मिलने की चर्चा हो रही है। फिलहाल 40 वर्षीय शख्स की जांच की गई है और टेस्ट की रिपोर्ट आने का इंतजार किया जा रहा है। वह कुछ वक्त पहले ही सिडनी लौटा था और मंकी पॉक्स के लक्षण मिलने के बाद उसकी जांच की गई है। वहीं फ्रांस के स्वास्थ्य मंत्रालय ने भी पेरिस में एक संदिग्ध केस पाए जाने की बात कही है। इसका सबसे ज्यादा कहर तो स्पेन में देखने को मिल रहा है। यहां मंकी पॉक्स से संक्रमित लोगों की संख्या तेजी से बढ़ते हुए 14 हो गई है। संक्रमित पाए गए सभी लोग युवा पुरुष हैं।

भारत-बांग्लादेश के बीच फिर चलेगी रेल, कोरोना के कारण बंद थी सेवा

ढाका । भारत और बांग्लादेश के बीच एक बार फिर ट्रेन सेवा शुरू होने जा रही है। कोरोना वायरस महामारी के कारण करीब दो सालों से दोनों देशों के बीच रेल सेवा बंद थी। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में स्थित भारतीय हाई कमीशन ने जानकारी दी है कि दोनों देशों के बीच 29 मई से रेल सेवा की शुरुआत होगी।

दोनों देशों के बीच चलेगी तीन नई ट्रेन- ढाका और कोलकाता के बीच मैत्री एक्सप्रेस और कोलकाता और खुलना के बीच बंधन एक्सप्रेस 29 मई 2022 को फिर से शुरू की जाएगी। मैत्री एक्सप्रेस ढाका से अपनी यात्रा शुरू करेगी और बंधन एक्सप्रेस कोलकाता से अपनी यात्रा शुरू करेगी।

मैत्री एक्सप्रेस और ढाका एक्सप्रेस के साथ ही एक और नई ट्रेन की शुरुआत होने जा रही है। 1 जून से न्यू जलपाईगुड़ी से ढाका के बीच एक नई ट्रेन की शुरुआत होगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों देशों के रेलमंत्री मिताली एक्सप्रेस को वर्चुअल तौर पर हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।

कोविड महामारी के कारण 2 सालों तक बंद रही रेल सेवा- कोविड 19 के प्रसार के खिलाफ एहतियात के तौर पर मार्च 2020 में भारत और बांग्लादेश के बीच ट्रेन सेवाओं को निलंबित कर दिया गया था। हालांकि यह साफ नहीं है कि मैत्री एक्सप्रेस, बंधन एक्सप्रेस और मिताली एक्सप्रेस सप्ताह में कितने दिन चलेगी लेकिन मैत्री एक्सप्रेस सप्ताह में पांच दिन कोलकाता और ढाका के बीच चल सकती है।

पेगासस जासूसी मामला : अब तक 29 मोबाइल की हुई जांच, सुको ने एक महीने का और समय दिया

नई दिल्ली (आरएनएस)। पेगासस जासूसी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने आज जांच पूरी करने के लिए एक महीने का और समय दिया है। शीर्ष अदालत ने जांच पूरी करने और रिपोर्ट जमा करने के लिए अदालत द्वारा नियुक्त पैनल के लिए 20 जून तक का समय बढ़ा दिया। अदालत के पूर्व न्यायाधीश आरवी रवींद्रन की अध्यक्षता वाली समिति ने अदालत को सूचित किया कि कई पत्रकारों और विशेषज्ञों के साथ बातचीत के अलावा 29 मोबाइल उपकरणों की जांच की गई है। तकनीकी समिति के मई के अंत तक पेगासस निरीक्षण पैनल को अपनी रिपोर्ट सौंपने की उम्मीद है, जिसके बाद 20 जून तक शीर्ष अदालत में अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि पेगासस स्पाइवेयर को लेकर तकनीकी समिति 29 मोबाइल फोन की जांच कर रही है और कुछ लोगों के बयान भी दर्ज किए गए हैं।

उच्चतम न्यायालय ने कथित पेगासस जासूसी मामले की जांच रिपोर्ट को पर्यवेक्षी न्यायाधीश को सौंपे जाने की समय-सीमा बढ़ाते हुए कहा कि यह चार सप्ताह में पूरी हो जानी चाहिए। अदालत ने कहा कि 'प्रभावित उपकरणों' की जांच के लिए मानक संचालन प्रक्रिया को भी अंतिम रूप दिया जाएगा।

पेगासस सॉफ्टवेयर इजरायल स्थित एनएसओ ग्रुप टेक्नोलॉजीज द्वारा बनाया गया है। पेगासस सॉफ्टवेयर द्वारा जासूसी कराने का विवाद पिछले साल न केवल भारत में बल्कि अन्य देशों में भी सामने आया था। उस समय, सॉफ्टवेयर निर्माता ने कहा था कि वह अपनी सेवाएं केवल सरकारों को बेचती है। इससे पहले अप्रैल में, कोर्ट पैनल ने सभी राज्य के पुलिस महानिदेशकों को यह सूचित करने के लिए कहा कि क्या उन्होंने इजरायल के ह्स्ह समूह से सॉफ्टवेयर खरीदा है।

राज ठाकरे का अयोध्या दौरा रद्द, यूपी के भाजपा सांसद ने किया था विरोध

मुंबई (आरएनएस)। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे ने 5 जून को होने वाली अपनी अयोध्या यात्रा स्थगित कर दी है। उनका कहना है कि वह 22 मई को पुणे में अपनी रैली में इस पर अधिक जानकारी साझा करेंगे। राज ठाकरे पांच जून को अयोध्या का दौरा करने वाले थे। लेकिन, इस बीच उत्तर प्रदेश से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद बृज भूषण शरण सिंह ने मांग की थी कि महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख अयोध्या आने से पहले उत्तर भारतीयों को ''अपमानित'' करने को लेकर माफी मांगें। भाजपा सांसद ने कहा था कि जब तक राज ठाकरे सार्वजनिक रूप से माफी नहीं मांगेंगे, तब तक उन्हें उत्तर प्रदेश में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। हालांकि राज ठाकरे ने अयोध्या यात्रा स्थगित करने के पीछे की वजहों के बारे में जानकारी नहीं दी है। बता दें कि राज ठाकरे के दौरे के जवाब में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के बेटे व मंत्री आदित्य ठाकरे 10 जून को अयोध्या जाने वाले थे। हालांकि शिवसेना ने अभी इस पर कुछ भी ऐलान नहीं किया है।

ठाकरे 22 मई को पुणे में एक रैली करेंगे और इसी दौरान अपनी अयोध्या यात्रा से संबंधित जानकारी देंगे। इससे पहले राज ठाकरे ने मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाने के लिए अप्रैल में महाराष्ट्र सरकार को अल्टीमेटम दिया था, जिसके बाद उन्हें धमकी भरा एक पत्र मिला था।

केंद्रीय मंत्री और रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आरपीआई-ए) के प्रमुख रामदास अठावले ने महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे से अगले महीने उत्तर प्रदेश में अयोध्या जाने से पहले उत्तर भारतीयों से माफी मांगने को कहा है।

मनसे ने मराठी मानुस का समर्थन करते हुए 2008 में एक आंदोलन शुरू किया था, जिस दौरान रेलवे परीक्षा देने के लिए मुंबई के कल्याण पहुंचे उत्तर भारत के उम्मीदवारों के साथ कथित तौर पर मारपीट की गई थी।

केन्द्र सरकार ने बांस उद्योग के उच्च लाभ के लिए बांस के चारकोल पर से निर्यात प्रतिबंध हटाया

नई दिल्ली (आरएनएस)। केन्द्र सरकार ने बांस के चारकोल पर से निर्यात प्रतिबंध हटा लिया है। यह एक ऐसा कदम है जो कच्चे बांस के अधिकतम उपयोग और भारतीय बांस उद्योग को उच्च लाभ की सुविधा प्रदान करेगा। खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी), जो देश में हजारों बांस आधारित उद्योगों को सहायता प्रदान कर रहा है, लगातार सरकार से बांस के चारकोल पर से निर्यात प्रतिबंध हटाने का अनुरोध कर रहा था। खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना ने वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल को पत्र लिखकर बांस उद्योग के व्यापक लाभ के लिए बांस के चारकोल पर से निर्यात प्रतिबंध हटाने की मांग की थी।

विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया है, वैध स्रोतों से प्राप्त बांस से बने सभी बांस के चारकोल के निर्यात को अनुमति इस आशय के स्त्रोत संबंधी उपयुक्त उचित दस्तावेज / मूल प्रमाण पत्र, जो यह प्रमाणित करे कि चारकोल बनाने के लिए उपयोग में लाया गया बांस वैध स्रोतों से प्राप्त किया गया है, के आधार पर दी जाती है।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के अध्यक्ष सक्सेना ने इस नीतिगत संशोधन के लिए वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल को धन्यवाद देते हुए कहा कि इस निर्णय से कच्चे बांस की उच्च लागत में कमी आएगी और बांस आधारित उद्योग, जोकि ज्यादातर दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित हैं, को आर्थिक रूप से लाभ होगा। उन्होंने कहा, अंतरराष्ट्रीय बाजार में बांस के चारकोल की भारी मांग है और सरकार द्वारा निर्यात पर से प्रतिबंध हटाने से भारतीय बांस उद्योग इस अवसर का लाभ उठाने और वैश्विक स्तर पर भारी मांग का फायदा उठाने में सक्षम होगा। यह बांस के कचरे का अधिकतम उपयोग भी सुनिश्चित करेगा और इस प्रकार प्रधानमंत्री के कचरे से धन की परिकल्पना को साकार करने में योगदान देगा।

ध्यान देने योग्य तथ्य यह है कि भारतीय बांस उद्योग वर्तमान में बांस के अपर्याप्त उपयोग के कारण अत्यधिक उच्च लागत की समस्या से जूझ रहा है। भारत में, बांस का उपयोग ज्यादातर अगरबत्ती के निर्माण में किया जाता है। अगरबत्ती के निर्माण के क्रम में अधिकतम 16 प्रतिशत बांस का उपयोग बांस की छड़ें बनाने के लिए किया जाता है, जबकि शेष 84 प्रतिशत बांस पूरी तरह से बेकार हो जाता है।

दक्षिण पश्चिम मॉनसून के अगले हफ्ते के शुरू में केरल पहुंचने की संभावना : आईएमडी

नई दिल्ली (आरएनएस)। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह पर जल्दी पहुंचने के बाद दक्षिण पश्चिम मॉनसून केरल की ओर बढ़ रहा है और मौसम विभाग ने अगले सप्ताह के मध्य तक प्रदेश में इसके दस्तक देने की संभावना जताई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने बीती शाम को कहा कि , सप्ताह के अंत तक केरल में दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के आगे बढऩे के लिए स्थितियां अनुकूल बनी रहेंगी। यदि इस सप्ताह के अंत तक केरल में दक्षिण पश्चिम मॉनसून की शुरुआत होती है, तो हाल के वर्षों में ऐसा पहली बार होगा। इससे पहले मानसून 2009 में 23 मई को केरल पहुंचा था। इससे पहले, मौसम विभाग ने पांच दिन पहले 27 मई तक केरल में मॉनसून के शुरूआत की भविष्यवाणी की थी। आम तौर पर केरल में एक जून को मॉनसून पहुंचता है।

विभाग ने कहा कि सप्ताह के कई दिन केरल तथा तटीय और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में भी भारी बारिश होने का अनुमान है। कुछ राहत के बाद, पूरे पश्चिमोत्तर भारत में तापमान बढ़ गया है और बाड़मेर में 47.1 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया, जो देश में सर्वाधिक अधिकतम तापमान है।

कृषि तकनीकी से जुड़े स्टार्टअप भारतीय अर्थव्यवस्था के भविष्य के लिए बेहद जरूरी हैं : जितेन्द्र सिंह

नई दिल्ली (आरएनएस)। केन्द्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), केन्द्रीय पृथ्वी विज्ञान राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), प्रधानमंत्री कार्यालय और कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय में राज्यमंत्री डॉक्टर जितेन्द्र सिंह ने कहा कि कृषि तकनीकी से जुड़े स्टार्टअप्स भारत की अर्थव्यवस्था के भविष्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं।

मैसूरू में कृषि तकनीकी और खाद्य तकनीकी विषय पर आयोजित सम्मेलन सह-प्रदर्शनी को संबोधित करते हुए डॉक्टर जितेन्द्र सिंह ने कहा कि मोदी सरकार द्वारा भारतीय कृषि के समक्ष उत्पन्न- आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, पुराने पड़ चुके उपकरणों के इस्तेमाल, अनुचित संरचना और किसानों की विभिन्न बाजारों का आकलन करने में अक्षमता- जैसी कठिनाइयों को दूर करने के लिए नीतिगत माहौल प्रदान किए जाने की वजह से पिछले कुछ वर्षों में भारत में कृषि तकनीकी स्टार्टअप्स की एक नई लहर आई है। मंत्री जी ने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि युवा उद्यमी अब आईटी सेक्टर और बहुराष्ट्रीय कंपनियों की अपनी नौकरियां छोडक़र अपने खुद के स्टार्टअप स्थापित कर रहे हैं। इन युवा उद्यमियों ने अब इस तथ्य को महसूस करना शुरू कर दिया है कि कृषि में निवेश करना बहुत सुरक्षित और लाभकारी व्यापारों में से एक है।

डॉक्टर जितेन्द्र सिंह ने कहा, कृषि तकनीकी से जुड़े स्टार्टअप समूची कृषि मूल्य श्रृंखला के समक्ष उत्पन्न विभिन्न चुनौतियों से निपटने के लिए अभिनव विचार और किफायती समाधान सुझा रहे हैं। इन स्टार्टअप्स में इतनी सामर्थ्य है कि वे भारतीय कृषि क्षेत्र के परिदृश्य को बदल सकते हैं और अंतत: किसानों की आय में वृद्धि कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह स्टार्टअप्स और नवोदित उद्यमी किसानों, कृषि सामग्री के डीलरों, थोक विक्रेताओं, फुटकर विक्रताओं और उपभोक्ताओं को एक-दूसरे से जोडक़र उनके लिए सशक्त बाजार संपर्क और समय पर गुणवत्तापूर्ण उत्पाद प्रदान करने वाली बीच की कडिय़ां बन गए हैं।

डॉक्टर जितेन्द्र सिंह ने कहा, 'भारत की खाद्य तकनीकी, कृषि तकनीकी और कृषि अर्थव्यवस्था परिदृश्य को परिवर्तित करने' की थीम पर आधारित 'टेक भारत' का तीसरा संस्करण एक बहुत ही सामयिक कार्यक्रम है, क्योंकि कृषि, भारतीय अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण स्तंभों में से एक स्तंभ है, यहां की 54 प्रतिशत आबादी कृषि पर सीधे निर्भर है और देश के सकल घरेलू उत्पाद में इसका हिस्सा करीब 19 (21) प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि हालांकि भारत में कृषि की पिछले कुछ वर्षों में सतत प्रगति हुई है लेकिन इस क्षेत्र में युवा, ताजा और अभिनव विचारों को प्रोत्साहित करने के लिए कुछ ज्यादा नहीं किया गया।

डॉक्टर जितेन्द्र सिंह ने कृषि क्षेत्र में आधुनिक नवीन प्रौद्योगिकी के उपयोग की वकालत की और बताया कि इस्राइल, चीन और अमरीका जैसे देशों ने अपने यहां नई प्रौद्योगिकी की मदद से खेती करने के तरीकों में बड़ा परिवर्तन किया है। उन्होंने कहा कि इन देशों ने दिखा दिया है कि प्रौद्योगिकी का वर्गीकरण जैसे हाइब्रिड बीज, सटीक खेती (प्रेसीशन फार्मिंग), डाटा के बड़े पैमाने पर विश्लेषण (बिग डाटा एनालिटिक्स), कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस), जीओ टैगिंग और सेटेलाइट मॉनेटरिंग, मोबाइल ऐप और कृषि प्रबंधन सॉफ्टवेयर को खेती की पूरी प्रक्रिया में विभिन्न स्तरों पर लागू कर उपज और कृषि से होने वाली आय को बढ़ाया जा सकता है।

डॉक्टर जितेन्द्र सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस वर्ष फरवरी में कृषि क्षेत्र के लिए देश भर में भारत में निर्मित 100 'कृषि ड्रोन' की शुरुआत की। ये 'कृषि ड्रोन' अपनी अनूठी समकालिक उड़ानों से खेती की प्रक्रिया में सहयोग कर सकते हैं। उन्होंने केन्द्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण के बजट भाषण का भी उल्लेख किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि फसल के आकलन, भू-रिकॉर्डों के डिजिटाइजेशन और कीटनाशकों और पोषक तत्वों के छिडक़ाव के लिए 'किसान ड्रोन्स' के इस्तेमाल को बढ़ावा दिया जाएगा। सिंह ने कहा कि ड्रोन्स का इस्तेमाल फसल या अन्य प्रकार के पेड़-पौधों के स्वास्थ्य की जांच के लिए, खर-पतवार (चरस), संक्रमण और कीटों आदि से ग्रस्त खेतों की जांच तथा किसी खेत में रासायनिक उरवर्कों की सटीक जरूरतों का पता लगाने और इस तरह किसान की कुल लागत को कम करने के लिए किया जा सकता है।